लोकोपयोगी लेख

१. सृष्टि का आरम्भ, *त्रिपथगा,* १९५७, ९–१६
२. जीव का आविर्भाव, *त्रिपथगा,* १९५७, ८५–९०
३. हिमालय के जन्म की कहानी, *त्रिपथगा,* १९५८, १०४–११४
४. क्या हिमालय भी मिट जायेगा ?, *त्रिपथगा,* १९५८, ११४–११७
५. तेल की कहानी, *त्रिपथगा,* १९५९, १०५–११३
६. मानव का अवतरण, *विज्ञान जगत,* १९६२, १०–१६
७. काँपती धरती, उन्मत्त तरंगें, *विज्ञान जगत,* १९६२, १०–१६
८. तड़प उठी महाराष्ट्र की धरती, *नवनीत,* १९६८, ६५–७०
९. हिमालय से भी पुरानी है यह गंगा, *धर्मयुग,* ९ जून १९६८, २२–२३
१०. जब गंगा ने सरस्वती का जल चुराया था, *धर्मयुग,* २१ जुलाय १९६८, २२–२३
११. बाढ़े और बेचैन मैदान, *धर्मयुग,* १३ अक्तूबर १९६८, २२–२३
१२. राजास्थान और रेगिस्तान, *धर्मयुग,* १० अप्रैल १९६९, ३४–३५
१३. दो पहाड : एक बूढ़ा, एक जवान, *नवनीत,* १० अप्रैल १९६९, ५९–६९
१४. समुद्र गंगा, *धर्मयुग,* २२ जून १९६९, २५–२६
१५. चाँद से धरती कैसी दिखती है ?, *धर्मयुग,* १४ सितम्बर १९६९, २९–३०
१६. चन्द्रमा का चेहरा, *धर्मयुग,* ४ जनवरी १९६९, १६–२१
१७. जब भारत आफ्रिका और ऑस्ट्रेलिया से जुड़ा हुआ था, *धर्मयुग,* ८ फ़रवरी १९७०, १६–२८; १५ फ़रवरी १९७०, २०–२७
१८. भूखी समुद्री खाड़याँ, *नवनीत,* मई १९७०, ६०–६२
१९. क्या फ़िर भूकम्पों का नया दौरा आने वाला है ?, *धर्मयुग,* २१ मार्च १९७१, २४–२५
२०. भरूच का भूकम्प, *नवनीत,* जनवरी १९७२, १३५–१३९
२१. नवोदित बाँगलादेश की किशोर धरती, *धर्मयुग,* १३ फ़रवरी १९७२, २४–२५
२२. क्या सचमुच देवता धरती पर उतरे थे ?, *धर्मयुग,* २७ मई १९७३, ८–१२
२३. जब एक भूविज्ञानी बदरीनाथ पहुँचा, *धर्मयुग,* १० जून १९७३, २४–२६
२४. अचल हिमालय में हलचल कैसी ?, *साप्ताहिक हिन्दुस्तान,* ३० सितम्बर १९७३, ८–१०
२५. कुमाऊँ की खनिज सम्पदा : कुछ सम्भावनाएँ, *उत्तराखाण्ड भारती,* १(२), १९७३, १–१४
२६. सागर के बेटे पर्वतराज हिमालय का जन्म, *साप्ताहिक हिदुस्तान,* १ मार्च १९७५, ८–१०
२७. क्यों कांप रहा है हिमालय ?, *धर्मयुग,* ९ मार्च १९७५, २४–२५
२८. *हिमालय, द रैस्टलैस जायन्ट,* ***साइन्स टुडे,*** अप्रैल १९७५, ११–१८ (अंग्रेज़ी)
२९. क्या भगीरथ ने जलहीन गंगा को नया जीवन दिया था ?, *धर्मयुग,* १५ जून १९७५, ८
३०. बाढों का बढ़ता दायरा, बढ़ती विभीषिका, *स्वतंत्र भारत, उमर उजाला,* १० सितम्बर १९८२
३१. हम ही लोगों ने छीन लिया हरा दुपट्टा धरती का, *पहाड़,* १, १९८४, १३२–१३९
३२. शाश्वत हिमालय के टूटते पहाड, *साप्ताहिक हिन्दुस्तान,* १३ सितम्बर १९८४, २५–२७
३३. *डैज़र्टिफ़िकेशन ऐन्ड कन्ज़र्वेशन ऑफ़ वॉटर,* ***मैन एन्ड नेचर,*** अप्रैल १९८८, ७–१० (अंग्रेज़ी)

३४. खतरों की घनी होती धुंध, ***धर्मयुग***, १६ मई १९९२, २६–२७

३५. जब ज्वालामुखी जाग उठता है, ***साप्ताहिक हिन्दुस्तान***, १४ जून १९९२, ३७

३६. *सरस्वती दैट डिसपीयर्ड*, ***रैज़ोनैन्स***, १९९६ १(५), ५५–६३ (अंग्रेज़ी)

३७. *गंगा ईज़ ओल्डर दैन हिमालय*, ***रैज़ोनैन्स***, १९९६ १(८), ५५–६३ (अंग्रेज़ी)

३८. धरती की हाल की हुई हलचलें और पानी की खोज, ***कालनिर्णय***, दीपावली अंक, १९९६, १४८–१५१

३९. उत्तरी भारत में भौमिक हलचल, निकट अतीत में, नैनसिंह स्मृति व्याख्यान, १९९८, २, १–१९, सैन्टर फ़ॉर डेवलैप्मैंट स्टडीज़, नैनीताल